वर्ष २० | अंक : ११ | Web: www.mumbaicontrol.in | पृष्ठ ०८ | मूल्य : ५/-

बुद्धिजीवियों और विद्वानों द्वारा पढ़ा जाने वाला अखबार

मुंबई कंट्रोल

20

खोलती सच्चाई का पिघलता आईना

माँ प्रणाम

Email: mumbaicontrol2006@gmail.com | २६ दिसंबर, २०२५ | संपादक : ब्रहमजीत सिंह | आरएनआई नं. : २००६/१७२०६

खत्म करो ऑटो-टैक्सी ड्राइवरों की दादागिरी-जॉइंट सीपी कुंभारे

मुंबई कंट्रोल पत्रकार

मुंबई : जॉइंट सीपी अनिल कुंभारे ने वर्ली स्थित ट्रैफिक मुख्यालय में अन्य अधिकारियों से चर्चा के बाद सभी ट्रैफिक डिविजनों को ऑटो-टैक्सी ड्राइवरों द्वारा मनमानी करने और ट्रैफिक नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ सख्त कारवाई करने का निर्देश देते हुए कहा है कि बार-बार नियमों की अवहेलना करने वालों के लाइसेंस रद्द करें.

जॉइंट सीपी कुंभारे ने लोगों से ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करने, तय भाड़ा से ज्यादा भाड़ा वसूलने और गैर कानूनी व्यवहार करने वाले ऑटो-टैक्सी चालकों की शिकायत मुंबई ट्रैफिक पुलिस से शिकायत करने की अपील की है. ट्रैफिक मुख्यालय की एक अन्य डीसीपी डॉ. दिपाली घाटे ने बताया कि सभी प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर ट्रैफिक हेल्पलाइन या आरटीओ शिकायत नंबर अतिरिक्त घर से भी फोटो या अन्य विवरण के साथ MTPHereToHelp पर टैग कर शिकायत दर्ज करवा सकते हैं.

हमारे संवाददाता ने बताया कि आरटीओ ने अनियमित और बोगस ऑटो पर कारवाई के अलावा बिना लाइसेंस, बैज, परमिट और मीटर से न चलने, अधिक किराया वसूलने और निर्धारित मार्ग के बजाय अन्य रास्तों से चलने वाले वाहनों पर कारवाई की प्रक्रिया शुरु कर दी है. आरटीओ के इस अभियान के विपरीत आम नागरिकों ने बताया कि शहर में अब भी बड़ी संख्या में बोगस ऑटो चलाने, मनमाना किराया वसूलने और यातायात व्यवस्था बिगड़ने से महिलाओं और बुजुर्गों की सुरक्षा का खतरा कायम है.

मुंबई कंट्रोल पत्रकार

नवी मुंबई : आगामी २५ दिसंबर से नवी मुंबई एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाली जहाजों की समय सीमा को देखते हुए स्थानीय भूमि पुत्रों ने सांसद बाल्या मामा के नेतृत्व में २२ दिसंबर को जन आक्रोश आंदोलन करने का निर्णय किया है.

सांसद सुरेश म्हात्रे ऊर्फ बाल्या मामा ने बताया कि गत ३ अक्टूबर को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने डी बी पाटिल का नाम देने का आश्वासन दिया था और अब सांसद म्हात्रे ने संसद के अधिवेशन में यह मांग फिर से उठाई कि नवी मुंबई इंटरनेशनल हवाई अड्डा का नाम राष्ट्रीय नेता डी बी पाटिल के नाम पर किया जाए. सांसद म्हात्रे के मुताबिक लोकसभा की पीठासीन अध्यक्ष ने आश्वासन दिया है कि केंद्र सरकार ने उनकी मांग का संज्ञान लिया है. किंतु केंद्र सरकार द्वारा कोई ठोस निर्णय घोषित नहीं करने के बावत स्थानीय भूमि पुत्र संगठन ने जन आक्रोश आंदोलन पद यात्रा का आयोजन करेंगे.

गुलाबी मेहमान फ्लेमिंगो से बाग-बाग वेटलैंड्स

मुंबई कंट्रोल पत्रकार

मुंबई : प्रकृति का मनभावन सौंदर्य सबके दिलों को चुरा लेता है और वसुधा की गोद में जब प्रकृति मुस्कुराती है तो हर जीव का मन-मंदिर घंटियों की अनहद नाद से गूंजने लगता है. ऐसा ही नजारा आजकल प्रवासी पंक्षी फ्लेमिंगो की आवक से ठाणे क्रीक, नवी मुंबई में नेरुल, एनआरआई, टीएस चाणक्य, लोटस, पनजे, भेंडखल और बेलपाड़ा जैसे वेटलैंड्स गुलजार हो गए हैं. ठाणे क्रीक फ्लेमिंगो अभ्यारण्य रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर प्रशांत और नेटकनेक्ट फाउंडेशन डाइरेक्टर बीएन कुमार ने बताया कि मुंबई के सिकुड़ते वेटलैंड्स को सुरक्षित करने और उनके आवासों को सुरक्षित करने की खास आवश्यकता है. हकीकत में फ्लेमिंगो पंक्षी वेटलैंड में शैवाल, प्लवक और छोटे-छोटे जीवों को खाकर पोषक तत्व स्तरों को नियंत्रित करते हैं. शैवाल के प्रसार को रोकने और उनके चलने से जब कीचड़ हिलता है तो पानी का ऑक्सीजन स्तर संतुलित हो जाता है तथा जलीय जीवों और पौधों को विशेष लाभ प्राप्त होता है.

इंडिगो के सभी विमान हैं सॉफ्टवेयर अपग्रेड-अपडेट

व्योमेश सिंह

मुंबई : भारतीय एयरलाइंस की सभी एयरबस ए-३२० फैमिली के ३३८ विमानों में इंडिगो ने अपने सभी २०० विमानों में सॉफ्टवेयर अपग्रेड कर लिया है.

दुनिया भर में दो कंपनियां अमेरिका बोइंग और यूरोप एयरबस का निर्माण करती है. गत माह ३० अक्टूबर को अमेरिका में उड़ान के दौरान जेटब्लू एयरलाइंस की एक फ्लाइट में सॉफ्टवेयर संबंधित सोलर रेडिएशन की समस्या आई थी. इसी के तहत इंडिगो ने अपने सभी विमानों, एयर इंडिया ने १०० और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने २३ और बाकी विमानों को मेंटनेंस के दौरान अपग्रेड कर लिए गए.

जौनपुर जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष का टिटवाला में सम्मान

मुंबई कंट्रोल पत्रकार

टिटवाला : जौनपुर जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष कुंवर वीरेंद्र प्रताप सिंह का सम्मान राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रदेश महासचिव और हिंदी भाषी प्रकोष्ठ अध्यक्ष पारसनाथ तिवारी ने उनके पुत्र पवन सिंह का टिटवाला पहुंचने पर अपने आवास पर स्वागत किया.

कुंवर वीरेंद्र प्रताप सिंह ने **'मुंबई कंट्रोल'** से सीधी बातचीत में बताया कि जब तक देश का किसान समृद्धशाली नहीं होगा, तब तक विकसित राष्ट्र की कल्पना नहीं की जा सकती है. सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की तारीफ करते हुए कहा कि राजनीति में बहुत तेजी से बदलाव आया है. महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यों को विकास का आयाम दिया है. उन्होंने सहकारिता को किसानों की मदद करने और उन्हें सशक्त बनाने का प्रभावी माध्यम बताया. गौरतलब रहे कि कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय संगठन मंत्री, तीन बार उत्तर प्रदेश सहकारिता आयोग चेयरमैन और जौनपुर जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष कुंवर वीरेंद्र प्रताप सिंह उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य भी रहे हैं.

बाबा कालूरामजी, बाबा कीनारामजी, बाबा बीजारामजी, बाबा रामजीवन रामजी, भगवान गौतम रामजी

क्रमश:

हे श्री शैले, सुनो.!

'म्लेच्छ इस देश में स्थायी रुप से शासन की बागडोर संभाले हुए हैं. ऐ मैथिल-ब्राह्मणों! भैरवी-चक्र का अनुष्ठान करो. सवर्ण हिंदुओं से उपेक्षा पाकर अनेक जाति के लोग धर्म परिवर्तित कर रहे हैं. उनका निरादर न कीजिए. उन्हें अपनाइए और अंगीकार कीजिए. निम्न जातियों के लिए मांस-मद्य प्रिय भोजन हैं और इसलिए इनमें उनका आकर्षण है. इसलिए अपने श्राद्ध, विवाह आदि में मांस-मछली को अपनाइए ताकि हिंदू समाज की उपेक्षित जातियों के लोग जो अपने को सवर्णों द्वारा बहिष्कृत समझकर धर्म बदलते जा रहे हैं, हिंदुत्व में आस्था रखें और समाज की रक्षा हो सके. इन्हीं उपायों से आप उनका प्रेम प्राप्त करेंगे और उन्हें अपने नजदीक पाएंगे.'

बाबा कीनाराम के उपदेश को करुणा भरे

हिंद संस्कृति के स्वार्थ मैथिलों को ऋद्धि-दर्शन तथा उपदेश

हृदय और दयार्द्र चित्त से अंगीकार कर और उसके लिए कृतज्ञता व्यक्त करते हुए मैथिल ब्राह्मणों ने नतमस्तक होकर अपने घरों के लिए विदा ली.

दीपचंद साहू को दिए आशीर्वाद की वापसी

हे वीरांगने, सुनो!

एक बार सावन-भादों का महीना था. गंगा उमड़ रही थी. गोमती भी उमड़ी हुई थी. सैदपुर जनपद के कुछ लोगों को, अघोराचार्य महाराज श्री कीनाराम ने बराहघाट पर बैठे हुए देखा. उस समय वे बराहघाट पर दो-चार दिन के लिए निवास कर रहे थे. नाव नहीं थी. उस पार जाने के लिए कोई व्यवस्था न रहने के कारण, दो दु:खी व्यक्तियों ने, बाबा की शरण में उपस्थित होकर उन्हें अपने जरुरी कार्यों के बारे में बतलाया. महाराज श्री कीनाराम ने अभिमंत्रित कर सौंफ का दाना दोनों व्यक्तियों के मुख में डाल दिया और बोले- 'मुख बंद कर लो, पीछे मत देखना.' उन लोगों ने मुख बंद कर लिया और चलते-चलते उस पार पहुंच गए. नदी के उस पार पहुंचने के बाद उन लोगों ने बाबा द्वारा मुख में डाली हुई सौंफ मुख से फेंक दी. नदी पार होने के बाद जब वे लोग आगे जा रहे थे, उन्हें रास्ते में महुअर ग्राम के सामने का नाला पार करना था, जिसमें बहुत जोर की बाढ़ आई हुई थी. उस नाला को पार करने में उन्हें काफी मुसीबत हुई और दुस्साहस से काम लेना पड़ा. तब उन्हें अघोराचार्य महाराज श्री कीनाराम द्वारा दी गई आशीर्वादी सौंफ का पूरा महत्व समझ में आया. क्रमश:

हार्दिक बधाई

यशस्वी जन्म दिनांक

डॉ. ध्रुव सिंह
डायबिटिक सर्जन
१२ दिसंबर

श्री शारदा प्रसाद सिंह
उद्योगपति
२३ दिसंबर

श्रीओंकारेश्वर

क्रमश: से आगे...

ऋषिगण की प्रार्थना पर भगवान ने ओंकार नामक शिवलिंग के दो भाग किए. इनमें से एक में भगवान शिव प्रणव रुप से विराजे, जिससे उसका नाम श्रीओंकारेश्वर पड़ा और पार्थिव लिंग से जो प्रकट हुए, वे परमेश्वर श्रीअमरेश्वर या अमलेश्वर नाम से विख्यात हुए. स्कन्द पुराण में ओंकारेश्वर तीर्थ की अद्भुत महिमा का वर्णन किया गया है- 'ओंकारेश्वर तीर्थ अलौकिक है. भगवान शंकर की कृपा से यह देव स्थान के तुल्य ही है. यहां पर जो अन्न-दान, तप, पूजा करते अथवा प्राण त्याग करते हैं, उनका शिव लोक में निवास होता है.'

'महान पुण्यतम अमरेश्वर तीर्थ सदा सैकड़ों देवताओं तथा ऋषि-संतों द्वारा सेवित है. अतएव यह एक महान पवित्र तीर्थ है.'

पौराणिक इतिहास

शिव पुराण के अनुसार श्रीओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के उद्भाव का इतिहास इस प्रकार है-

शौनकादि ऋषियों ने पुराणों के वक्ता सूतजी से भगवान शिव के चतुर्थ ज्योतिर्लिंग श्री ओंकारेश्वर के उद्भाव के विषय में जानने के लिए जिज्ञासा की. उन लोगों ने कहा- हे सूतजी महाराज! भगवान शिव के लीलाचरित्रों को सुनने से हमारी तृप्ति नहीं होती. आप सर्वज्ञ तथा शिव कथामृत के विशेषज्ञ हैं. अत: आप भगवान श्री ओंकारेश्वर के पावन चरित्र का हमें श्रवण कराकर हमारे कर्णकुहर को तृप्त करें.'

शौनकादि ऋषियों के प्रश्न करने पर भगवान व्यास के अनन्य शिष्य सूतजी परम प्रसन्न हुए. भगवान शिव का ध्यान करते ही उनको रोमांच हो गया. पुन: मन को स्थिर करके उन्होंने भगवान शिव के चतुर्थ ज्योतिर्लिंग श्री ओंकारेश्वर के इतिहास का वर्णन करना प्रारंभ किया. उन्होंने कहा कि भगवान शिव की लीलाएं तथा नाम अनन्त हैं. उनका श्रवण और मनन करने से जीव मात्र का सहज कल्याण हो जाता है, क्योंकि भगवान शिव परम सत्य और कल्याण के वाचक हैं.

एक समय की बात है कि देवर्षि नारद ने बड़ी ही श्रद्धा और लगन से कुछ समय तक गोकर्णेश्वर नामक शिव की आराधना की, जिससे उन्हें परम सुख एवं शांति मिली. तदनंतर वे भ्रमण करते हुए गिरिराज विन्ध्यगिरी के पास गए. विन्ध्यगिरी ने अपने अधिदेव रुप से देवर्षि नारद को अर्घ्य-पाद्य प्रदान करके उनका सविधि पूजन किया. विन्ध्य के अंदर अपनी सर्वगुण-संपन्नता एवं विपुल संपदा का अभिमान था. भगवान और भगवान के भक्त दोनों अहंकार को जीव के कल्याण में बाधक समझकर उसका समूल नष्ट करने की चेष्टा करते हैं, जिससे जीव अनित्य वस्तु का अभिमान छोड़कर नित्य परमात्मा का सच्चा आराधक बने. विन्ध्य को तुच्छ अहंकार से ग्रसित देखकर नारदजी दु:खित हो गर्म नि:श्वास लेने लगे.

विन्ध्य ने कहा- 'हे देवर्षि! आपको मुझमें ऐसी कौन सी कमी दिखलायी दे रही है, जिससे आप.. क्रमश: (द्वादश ज्योतिर्लिंग से साभार.)

चुटकुला

टीचर ने साइंस लैब में अपनी जेब से १ सिक्का निकाला और एसिड में डाला और छात्र से पूछा, ये बताओ कि ये सिक्का घुल जाएगा या नहीं?

छात्र: सर नहीं घुलेगा?

सर: शाबाश, लेकिन तुझे कैसे पता?

छात्र: सर अगर एसिड में डालने से सिक्का घुलना होता तो आप सिक्का हमसे मांगते ना कि अपनी जेब से निकालते.

पाक्षिक राशिफल

मेष- (अ, च, खु, ची, ल, इ) यह समय आपके प्रतिद्वंदियों पर सफलता और विजय की प्राप्ति करवाएगा, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा. आय के नए स्रोत की प्रबल संभावना है.

वृष- (इ, ब, व, उ, ओ, ए) परिवार के लोगों की जरुरतों और सुख-सुविधाओं का ध्यान रखना संबंधों को मजबूत बनाएगा. फालतू के खर्चों पर काबू रखना बहुत ही आवश्यक है.

मिथुन- (क, ड़, हा, छ, घ, ह) समय आपकी दिनचर्या में सकारात्मक परिवर्तन लाएगा, जो कि फायदेमंद साबित होगी. प्रॉपर्टी से संबंधित कोई अच्छी डील होने की संभावना है.

कर्क- (ड, डा, डी, हू, हे) सामाजिक कार्यों में आपका योगदान बना रहेगा. आपके विनम्र स्वभाव की वजह से घर तथा समाज में आपकी तारीफ होगी. पुराना मसला हल होगा.

सिंह- (म, मा, मी, टा, ट) आप अपनी वाक पटुता द्वारा काम निकलवाने में सक्षम रहेंगे. यह समय आपको कम मेहनत में ज्यादा लाभ दिलवा सकता है. कुछ व्यवधान भी बने रहेंगे.

कन्या- (प, ष, पा, ठ, ण, ट) आप अपनी कार्य क्षमता को और अधिक बढ़ाकर निकट भविष्य में उचित परिणाम हासिल करेंगे. युवा वर्ग अपने लक्ष्य से भटक सकते हैं. सतर्क रहें.

तुला- (र, रा, रु, ता, त) आर्थिक हलचल से संबंधित कुछ लाभकारी योजनाएं बनेंगी और वह तुरंत क्रियान्वित भी हो जाएंगी. नौकरी पेशा व्यक्ति किसी की मदद से सक्षम रहेंगे.

वृश्चिक- (न, तो, यू, य) प्रभावशाली संपर्क बनेंगे और इन संपर्क सूत्रों का आपको अच्छा फायदा भी होगा. ग्रह-गोचर मान-सम्मान तथा नई उपलब्धियां प्रदान करेगा. खर्च से बचें.

धनु- (ये, ढ़ा, भी, ध, फ, भ) कर्मचारियों का सहयोग आपको कोई निर्णय लेने में मदद करेगा. अपने निकट लोगों के साथ बातचीत करते समय थोड़ा सावधान रहना जरुरी है.

मकर- (भो, जी,ज, ख, ग) फाइनेंस तथा कंसल्टेंसी से जुड़े व्यवसाय बेहतरीन सफलता हासिल करेंगे. इनकम टैक्स संबंधी कोई झंझट खड़ा हो सकता है, पेपर वर्क ठीक रखें.

कुंभ- (गु, स, सा, श, ष, द) साझेदारी करने की योजना फायदेमंद साबित हो सकती है. युवा वर्ग मौज-मस्ती में अधिक ध्यान ना दें, इसकी वजह से कुछ व्यवधान आ सकता है.

मीन- (दि, त्र, चा, झ, थ) आपका कोई विशेष प्रयास सफल होने वाला है. पिछले कुछ समय से चल रही किसी दुविधा और बेचैनी से आपको राहत मिलेगी. समय व्यर्थ ना करें.

स्पंदन

जिंदगी तो कुल एक पीढ़ी भर की होती है, पर नेक काम पीढ़ी दर पीढ़ी चलता रहता है.

प्रात: स्मरणीय मां श्रीमती सितावी सिंह जी

मुंबई कंट्रोल परिवार

प्रधान - प्रतिनिधि

श्री जितेंद्र ठाकुर - पवई

प्रमुख - प्रतिनिधि

श्री विशाल ठाकुर - अंधेरी

संरक्षक - प्रतिनिधि

श्री. गोपाल सिंह. बिल्डर
डॉ. महेश सिंह- सर्जन, कालीना
श्री राजेश सिंह - मुलुन्ड
श्रीमती प्रतिभा ठाकुर - सूरत
श्री ओ. पी. सिंह - मालाड़
श्री अशोक पांडे - वाशी
श्री श्याममोहन तिवारी-ठाणे

संस्थापक - प्रतिनिधि

श्री. बी. डी. सिंह, घाटकोपर
श्री. नरेन्द्र प्रताप सिंह, भांडुप
डॉ. किशोर सिंह, बोरीवली
श्री. बी. डी. सिंह (रॉय), अंधेरी
श्री. अनिल कुमार सिंह, बोरीवली
श्री. शिवशंकर सिंह (पप्पी), भांडुप
श्री. ज्ञान प्रकाश सिंह, गोरेगांव
श्री. एस. बी. गिरी, पवई
श्री. जितेन्द्र ठाकुर, ठाकुर कॉलेज
श्री. शशिकांत शर्मा, अंधेरी
श्री. भोलानाथ यादव, ओशिवरा
श्री. एस के सिंह, गोरेगांव
श्रीमती.गीता सिंह, हीरानंदानी
श्री. बिहारीलाल गुप्ता, अंधेरी
श्री. सत्येन्द्र (एस के) सिंह, अंधेरी
श्री. विकास सुभाष सिंह, वाशी
श्री. भानुप्रताप सिंह, घाटकोपर
श्री. राजीव सिंह, डोंबीवली
श्री. सुदामा मिश्रा, चांदीवली
श्री. विजय सिंह, मुलुन्ड
श्री. अवधनारायन सिंह, गोरेगांव
श्री. साधू सिंह, कुर्ला
श्री. रमाशंकर सिंह, विक्रोली
श्री. प्रेम पी. कमल, अंधेरी
श्री. सतीश सिंह, बोरीवली
हमारा प्रयास फॉउन्डेशन, विलेपार्ले
श्री. केदार सिंह ठाकुर, बोरीवली
श्री. आर. के. सिंह, घणसोली
श्री. अजय कुमार सिंह, अंधेरी
श्री. जे.पी. सिंह, गोरेगांव
श्री. अमित सिंह - तुर्भे
डॉ. सी. सामराज- ऐरोली
श्री. विलासराव देशमुख-कांदीवली
श्री. प्रमोद के. सिंह- अंधेरी
कैप्टन रवि कुमार सिंह - अंधेरी

AAWAZ INTELLIGENCE FORCE
Security Services & Housekeeping Facilities
Contact: Abhishek Singh - Mobile: 908 268 4098/ 983 324 8680 Email- abhishekaif1753@gmail.com

नवी मुंबई में पहला इनडोर एंटरटेनमेंट एरेना की योजना

मुंबई कंट्रोल पत्रकार

नवीमुंबई: सिडको प्रबंध निदेशक और उपाध्यक्ष विजय सिंघल ने नवी मुंबई को विश्व स्तरीय एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन के रुप में देश का पहला आइकॉनिक मल्टीपरपज इनडोर लाइव एंटरटेनमेंट एरेना स्थापित करने की महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट जारी किया है.

सिंघल के मुताबिक यह अत्याधुनिक एरेना न्यूयार्क स्थित मेडिसिन स्क्वेयर गार्डन और लंदन के ओटू एरेना की तर्ज पर विकसित किया जाएगा. इस एरेना में २० हजार दर्शकों के बैठने और २५ हजार दर्शकों के खड़े रहने की व्यवस्था का भी नियोजन है. इस अंतर्राष्ट्रीय एरेना में संगीत कार्यक्रम, खेल, सांस्कृतिक महोत्सव और इमर्सिव प्रॉडक्शन जैसे आयोजन से नवी मुंबई विश्व स्तरीय इनडोर एंटरनेटमेंट और देश का पहला शहर भी बन जाएगा.

ध्यातव्य है कि नवी मुंबई की कनेक्टिविटी अटल सेतु, हाई स्पीड रेल कॉरीडोर और मेट्रो नेटवर्क डेवलपमेंट, इंटरनेशनल एयरपोर्ट, नेरुल जेट्टी, खारघर स्पोर्ट्स सेंटर ऑफ एक्सिलेंस और गोल्फ जैसी सुविधाएं नवी मुंबई सिटी ग्लोबल आयोजनों की मेजबानी करने में सक्षम बन जाएगा. यह केवल एरेना नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आर्थिक क्रांति की मजबूत नींव के रुप में प्रतिबद्ध होगा.

मस्जिद पर लाउडस्पीकर की अनुमति नहीं, सरकार करे समाधान

मुंबई कंट्रोल पत्रकार

मुंबई: बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच ने कहा कि कोई भी धर्म लाउडस्पीकर के साथ प्रार्थना का हक नहीं देता. इसलिए मस्जिद में नमाज के लिए लाउडस्पीकर के इस्तेमाल को अनुमति देने से इंकार कर दिया है.

गोंदिया मस्जिद की याचिका को खारिज करते हुए कोर्ट ने उक्त टिप्पणी करते हुए कहा कि ध्वनि प्रदूषण का मुद्दा बार-बार आता है. ऐसे में सरकार को इस विषय का सामधान निकालना ही होगा. जस्टिस अनिल पानसरे और जस्टिस राज वाकोडे की बेंच ने अपने निर्णय में सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का हवाला दिया, जिसमें स्पष्ट है कि कोई भी धर्म ध्वनि या ढ़ोल बजाकर प्रर्थना की अनुमति नहीं देता है.

इसलिए याचिकाकर्ता को लाउस्पीकर के प्रयोग की मांग करने का हक नहीं है. बेंच ने यह भी कहा कि कोई भी धर्म यह नहीं कहता है कि दूसरों की शांति भंग करके प्रार्थना की जाए. दिगर है कि ध्वनि प्रदूषण से कम उम्र के बच्चों, बूढ़ों और मनोविकार से ग्रसित लोगों को काफी दुश्वारियों का सामना करना पड़ता है.

इंडियन रेलवे ने बनाया वेंडरों के लिए कानून

मुंबई कंट्रोल पत्रकार

मुंबई: इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन ने उत्तर भारत की ओर जाने वाली ट्रेनों में ओवरचार्जिंग की बढ़ती शिकायतों के फलस्वरुप वेंडरों के लिए नए यूनिफार्म पर हेल्प नंबर और विशेष क्यूआर कोड का प्रावधान तय करेगी. इस सुविधा से रेल यात्रियों को शिकायत करना सरल हो जाएगा.

एक रेलवे अधिकारी के मुताबिक एक्सप्रेस ट्रेनों में यात्रा के दौरान वेंडरों द्वारा ओवरचार्जिंग के बढ़ते मामलों को दूर करने के लिए IRCTC वेंडरों को अब नया यूनिफार्म के साथ विशेष कोड वाला कार्ड देगी. इससे कोड स्कैन करते ही यात्री उस वेंडर द्वारा बेची जाने वाली सामग्री के निश्चित दाम देख सकेंगे. इससे यात्रियों को सही कीमत की जानकारी मिलेगी और ओवरचार्जिंग का भय भी दूर हो जाएगा. रेलवे अधिकारी के मुताबिक यह व्यवस्था पहले पश्चिम मंडल की शताब्दी, तेजस, राजधानी और वंदे भारत जैसी हाईस्पीड ट्रेनों में लागू की जाएगी. फिर शनै:शनै: इसका दायरा अन्य ट्रेनों में भी लागू किया जाएगा. इससे रेल से सफर करने वालों को पारदर्शी सेवा मिलने के साथ रेलवे कैटरिंग की व्यवस्था में भी परिवर्तन आने की प्रबल संभावना है.

बनारस के छात्र पढ़ेंगे तमिल भाषा

मुंबई कंट्रोल पत्रकार

इस पहल की शुरुआत में तमिलनाडु से करीब ५० शिक्षक बनारस आ रहे है.

वाराणसी: राजनीतिक प्रतिद्वंदिता से पैदा हुए भाषा अवरोध की खाई को पाटने की दिशा में काशी तमिल संगमम अभियान के तहत बनारस के स्कूली छात्रों को तमिल भाषा सिखाई जाएगी.

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और उत्तर प्रदेश सरकार, रेलवे पर्यटन विभाग और कई विभागों द्वारा इस पहल की शुरुआत में तमिलनाडु से करीब ५० शिक्षक बनारस आ रहे हैं. उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालय सचिव डॉ. विनीत जोशी ने बताया कि तमिलनाडु से आने वाले ५० शिक्षक जो तमिल के साथ हिंदी भी जानते हैं, उनमें से हर एक शिक्षक कम से कम ३० छात्रों को तमिल सिखाएगा, जिससे बच्चे तमिल भाषा समझने, सीखने और बोलने लगेंगे. इस अभियान में ३०० कॉलेज छात्र तमिलनाडु के १० इंस्टिटयूशन में तमिल पढ़ेंगे. अभी तक बनारस के ३५० स्कूल और आसपास के शहरों के ३०० स्कूल इस पोर्टल से जुड़ चुके हैं. इस पोर्टल के जरिए प्रथम चरण में १५ हजार से ज्यादा छात्रों को तमिल सिखाई जाएगी.

गौरतलब रहे कि मद्रास की आईआईटी का विद्या शक्ति पोर्टल दोनों राज्यों के बीच महत्पूर्ण भूमिका निभा रहा है. इसलिए इस पोर्टल के जरिए ऑनलाइन पढ़ाई से तमिल भाषा सिखाई जाती है.

डॉ. बाबूलाल का आकस्मिक निधन

मुंबई कंट्रोल पत्रकार

मुंबई: गत २६ नवंबर के दिन डॉ. बाबूलाल रामकृपाल पटेल का उनके आवास पर आकस्मिक निधन से परिजन शोक संतप्त हैं.

डॉ. बाबूलाल पटेल का अंतिम संस्कार कार्यक्रम उनके निवास अटेरना ओवेरॉय से उनके क्लिनिक कपिल क्लिनिक, केशव पाड़ा ले जाने के बाद मुलुंड (पश्चिम) स्थित डंपिंग रोड की श्मशान भूमि में किया गया. बता दें कि डॉ. बाबूलाल पटेल कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता थे. डॉ. बाबूलाल पटेल मुंबई के प्रथम उत्तर भारतीय महापौर आर आर सिंह (पटेल) के पारिवारिक प्रतिनिधि थे. डॉ. के आकस्मिक निधन से समस्त शुभचिंतक और परिवार के लोग शोक संतप्त हैं.

२० दिसंबर को अंबरनाथ में चुनाव २१ दिसंबर को स्थानीय निकाय चुनाव के नतीजे

मुंबई कंट्रोल पत्रकार

मुंबई: राज्य चुनाव आयोग ने अंबरनाथ नगरपरिषद का चुनाव २० दिसंबर और बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच के फैसले के मुताबिक २१ दिसंबर को स्थानीय निकाय चुनाव के नतीजे आएंगे.

चुनाव आयोग ने बताया कि अंबरनाथ नगराध्यक्ष तेजश्री करंजुले की पात्रता को लेकर शिवसेना की साधना वालेकर की कल्याण सत्र न्यायालय में दायर याचिका के कारण अंबरनाथ नगरपरिषद के चुनाव को विलंब का मुख्य कारण बताया है. अब सभी दल नयी तारीख के अनुसार फिर से रणनीति तैयार करेंगे. इसी प्रकार से बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच ने राज्य में हुए २६४ नगर परिषद और पंचायत चुनाव के नतीजे २१ दिसंबर को घोषित होंगे. तब तक मतगणना, नतीजों और एग्जिट पोल पर आचार संहिता लागू रहेगी.

फरवरी २०२६ में होगा मुलुंड कचरा दुर्गंध से मुक्त

मुंबई कंट्रोल पत्रकार

मुंबई: मुलुंड डंपिंग ग्राउंड की १५ एकड़ जमीन पर कुल ७८ लाख मीट्रिक टन कचरा में से ५६ लाख मीट्रिक टन कचरे का प्रोसेस हो चुका है. अब बचे २२ लाख मीट्रिक टन कचरे का प्रोसेस फरवरी २०२६ तक पूरा करने के बाद मुलुंड डंपिंग ग्राउंड कचरा दुर्गंध से मुक्त हो जाएगा.

बता दें कि स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद बीएमसी ने इस डंपिंग ग्रांउड को २०१८ में बंद कर दिया था. कचरे के प्रोसेस के लिए २०१८ के वर्क आर्डर के बाद अक्टूबर २०१९ से प्रोसेस शुरु हुआ, जिसे अक्टूबर २०२४ तक पूरा करना था किंतु कचरे का प्रोसेस समय पर पूरा न कर पाने के कारण ठेकेदार पर ९ करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया. इस विलंब के चलते अब इसकी समय सीमा फरवरी २०२६ तक बढ़ा दी गई है. एक अधिकारी ने बताया कि मुलुंड डंपिंग ग्राउंड कचरा मुक्त होने के बाद इसे अडानी की कंपनी को लीज पर दिया जाएगा, जिसका उपयोग धारावी पुनर्विकास परियोजना के कास्टिंग वार्ड समेत अन्य कार्यों के लिए किया जाएगा.

भाजपा के दमदार नेता ज्ञानप्रकाश सिंह ने ५०० टीबी मरीजों को बांटा पोषण सामग्री

मुंबई कंट्रोल पत्रकार

जौनपुर: राजकीय लीलावती महिला चिकित्सालय, जौनपुर में भाजपा के वरिष्ठ नेता ज्ञानप्रकाश सिंह ने निज संस्था द्वारा ५०० से अधिक टीबी मरीजों को पोषण सामग्री मुफ्त में बांटा.

इस मौके पर जिलाधिकारी डॉ. दिनेशचंद्र, एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. लक्ष्मी सिंह, जिला टीबी अधिकारी डॉ. विशाल यादव और लीलावती अस्पताल के डॉ.डी एस सिंह आदि कई गणमान्य मौजूद थे. इस मौके पर स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता ज्ञानप्रकाश सिंह ने कार्यक्रम संचालक डॉ. सुशील अग्रहरि, विभागीय चिकित्सक, कर्मचारियों और विशेष रुप से मौजूद लोगों के प्रति हार्दिक आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का टीबी मुक्त भारत का संकल्प जरुर सफल होगा और इस दिशा में हम सब एक साथ मिलकर अपना योगदान देते रहेंगे.

अखिल क्षत्रिय सभा का २१ दिसंबर को वार्षिक स्नेह मिलन समारोह

मुंबई कंट्रोल पत्रकार

मुंबई: अखिल क्षत्रिय सभा अध्यक्ष अमरेज सिंह चौहान ने बताया कि आगामी २१ दिसंबर को संस्था की ओर से वार्षिक स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है. इस मौके पर संस्था की ओर से क्षत्रिय शक्ति स्मारिका का विमोचन किया जाएगा.

बता दें कि प्रति वर्ष की तरह इस साल भी अखिल क्षत्रिय सभा, क्षत्रिय समाज के मेधावी बच्चों को उत्कृष्ट अंक की उपलब्धि पर गौरवान्वित करेगा. यदि कोई क्षत्रिय संस्था द्वारा प्रकाशित स्मारिका में अपना परिचय अथवा विज्ञापन प्रकाशित करवाना चाहता है तो वह अध्यक्ष ठाकुर अमरेज सिंह चौहान से संपर्क कर सकता है.

संपादकीय

नियति

हर इंसान का जीवन उसके खुद की ओर बढ़ने का एक रास्ता है, एक प्रयास है. जहां मेरा हृदय है, वही मेरा भाग्य है.

ब्रह्मजीत सिंह

२६ नवंबर २००८, पाकिस्तानी आतंकियों ने मुंबई पर हमला किया. ताज हॉटल, ओबेराय, ट्राइडेंट, नरीमन हाऊस, कामा अस्पताल, छत्रपति शिवाजी महाराज और लियोपोल्ड कैफे को निशाना बनाया. इस हमले में करीब १६६ लोग मारे गए और ३०० घायल हुए. सुरक्षाबलों ने दस में नौ आतंकियों को ३२ हूरों के पास भेज दिया. एकमात्र जीवित बचा अजमल कसाब. उसने बचने के लिए जमकर ड्रामा किया, लेकिन सरकारी वकील उज्जवल निकम ने उसके और उसके आका पाकिस्तान के मंसूबों को चकनाचूर कर दिया.

मुंबई हमले का जिम्मेदार लश्कर ए तैयबा था. उसने भारत को दहलाने के लिए पाकिस्तान से दस आतंकी भेजे थे. इन्होंने कई निर्दोष लोगों को निशाना बनाया. ९ दहशतगर्द मारे गए, अजमल कसाब को जिंदा पकड़ा गया. उसने बचने के लिए एक के बाद एक कई झूठ बोले, लेकिन वह अपना चेहरा छिपा नहीं पाया.

कसाब ने इस तरह किया ड्रामा-

१. सबूत मिलने पर सबसे पहले अपराध स्वीकार किया.
२. आंशिक रुप से अपराध नकार भी रहा था.
३. पहले कहा कि वह नाबालिग है और किशोर अधिनियम के तहत मुकदमा चले.
४. इसके बाद बोला कि मैंने कुछ नहीं किया.
५. अबू इस्माइल ने फायरिंग की, मेरी बॉलीवुड में रुचि थी, इसलिए पाकिस्तान से मुंबई आया.

उज्ज्वल निकम ने कसाब को किया बेनकाब

मुंबई के एक कार्यक्रम में उज्जवल निकम ने बताया कि मुंबई हमले को लेकर पाकिस्तान ने किस तरह साजिश रची थी. उन्होंने बिना दबाव में झुके पाकिस्तान और कसाब दोनों को बेनकाब किया. उनकी पैरवी और तथ्यों के चलते कसाब फांसी के फंदे तक पहुंचा. निकम ने बताया कि कसाब को जल्द से जल्द फांसी दिलाने के लिए जनता और केंद्र सरकार का दबाव था. मीडिया अलग से आलोचना कर रही थी. वकीलों का समूह भी सक्रिय था, वे बोल रहे थे कि जनता का पैसा बर्बाद किया जा रहा है. निकम कहते हैं कि मेरा एक उद्देश्य था कसाब का अपराध साबित करना. उन्होंने कसाब के ड्रामे को लेकर आतंकी संगठन अलकायदा और मैनुअल भी अदालत में पेश किया. इसमें था कि पकड़े जाने पर किस तरह सुरक्षा एजेंसियों और सरकार को बरगलाना है.

पाकिस्तान ने आतंकियों को रिहा किया

निकम कहते हैं कि मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती थी कि कसाब के साथ पाकिस्तान को बेनकाब करना. कसाब के पीछे छिपी ताकत को रिकॉर्ड में लाना. आतंकी हमले की जांच को लेकर चार सदस्यों का दल पाकिस्तान भेजा गया. उसमें निकम भी थे. जांच दल ने पाकिस्तान के तत्कालीन गृहमंत्री को भारत की तरफ से सबूत दिखाए, लेकिन उन्होंने कोई सबूत नहीं दिया. मुंबई हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद और जकी उर रहमान लखवी को भी छोड़ दिया. इस्लामाबाद गृह मंत्रालय में कान्फ्रेंस बैठक के दौरान पाकिस्तानी सेना के ब्रिगेडियर से जब पूछा गया कि इन आतंकियों को क्यों गिरफ्तार नहीं कर रहे? आपराधिक षडयंत्र रचने का मामला क्यों नहीं दर्ज किया? इस पर उनकी तरफ से कहा गया कि हमने कोई सबूत ही नहीं दिया है. यह अजीब बात थी क्योंकि सबूत पाकिस्तान को एकत्र करने थे, क्योंकि साजिश उसी के यहां रची गई थी. हमने आठ दिन वहां रहकर सारे सबूत दिए.

डेविड हेडली का बयान काम आया

उज्जवल निकम ने बताया कि जब जांच दल भारत लौटा तो पता चला कि डेविड हेडली ने अपराध कबूल किया है और शिकागो की कोर्ट में क्षमा याचिका दाखिल की है. इसमें हेडली ने बताया था कि मुंबई में २६/११ आतंकी हमले से पहले वह हॉटल ताज, ओबेरॉय, नरीमन हाउस गया था. जहां हमले होने थे, उसकी फोटो उसने पाकिस्तान को भेजी थी, उसने बाद में यह भी बताया था कि आईएसआई और लश्कर-ए-तैयबा के बीच सांठगांठ है. उसने आईएसआई के अधिकारियों के फोन नंबर तक दिए, जिसे हमने अदालत में पेश किया. इसके बाद पूरे साक्ष्य केंद्र सरकार को दिए गए. सरकार ने साक्ष्य राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को दिए, जो बाद में पाकिस्तान को सौंपे गए. लेकिन पाकिस्तान सबूत लेकर चुपचाप बैठ गया.

पाकिस्तान की साजिशें जारी

आतंक की काली फैक्ट्रली चलाने वाला पाकिस्तान साजिश रचने से बाज नहीं आ रहा है. उसने मुंबई अटैक के बाद भी आतंकियों से कई हमले कराए. हाल ही में भारत के पहलगाम में उसने अटैक कराया. इसका भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए मुंहतोड़ जवाब दिया.

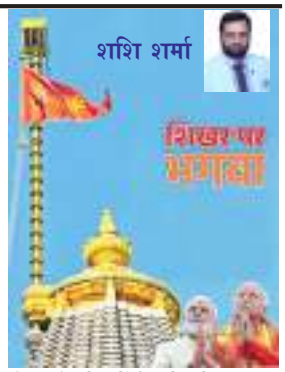

सनातन धर्म के इतिहास में २५ नवंबर, २०२५ को एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया. इस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि पर निर्मित राम मंदिर के शिखर पर केसरिया धर्म ध्वज फहरा कर पूरी दुनिया को संदेश दिया कि मंदिर निर्माण का कार्य औपचारिक रुप से पूर्ण हुआ.

सप्त मंदिर

राम मंदिर परिसर भगवान राम के जीवन से जुड़े सात प्रमुख मनीषियों, महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, महर्षि वाल्मिकी, देवी अहिल्या, निषादराज और माता शबरी को समर्पित है. महर्षि विश्वामित्र ने राम-लक्ष्मण को युद्ध कला और दिव्य अस्त्र की शिक्षा दी, अगस्त्य मुनि ने वनवास के समय रामजी को दिव्य अस्त्र दिए, जो लंका विजय में सहायक बने. कुलगुरु महर्षि वशिष्ठ से रामजी को ज्ञान और जीवन के विभिन्न आयामों पर मार्गदर्शन मिला. देवी अहिल्या का श्राप से मुक्त होना राम कृपा से जुड़ी एक महत्वपूर्ण घटना है. माता शबरी की निश्छल भक्ति और प्रेम राम पर विशेष प्रभाव डालती है, जो उनके जीवन में एक आदर्श भक्ति की मिसाल है. महर्षि वाल्मिकी ने रामायण की रचना की. उनके आश्रम में लव और कुश का जन्म हुआ था. निषादराज और अन्य पात्र भी राम के जीवन की महत्वपूर्ण कड़ियां हैं, जिनका स्मरण इस सप्त मंदिर में होता है.

हनुमानगढ़ी

यह हनुमानजी का प्राचीन और प्रमुख मंदिर है. अयोध्या के मध्य में राजद्वार के सामने ऊंचे टीले पर स्थित इस मंदिर के बारे में मान्यता है कि रामजी की लंका विजय के बाद हनुमानजी यहां रहते थे और अयोध्या की रक्षा करते थे. इसलिए इसे हनुमानगढ़ी या हनुमान कोट भी कहा जाता है. हनुमानगढ़ी की स्थापना लगभग ३०० साल पहले स्वामी अभयारामदासजी के निर्देशों पर हुई थी. मंदिर के विशाल परिसर के चारों ओर साधु-संतों के आवास हैं. हनुमानगढ़ी को अयोध्या के सबसे पवित्र और शक्तिशाली मंदिरों में गिना जाता है. यहां हनुमानजी को राजा के रुप में पूजा जाता है. उनकी आज्ञा के बिना रामलला के दर्शन अधूरे माने जाते हैं. मंदिर के आसपास सुग्रीव टीला और अंगद टीला जैसी जगहें भी हैं, जो रामायण कथा से जुड़ी है.

तुलसीदास मंदिर

राम मंदिर परिसर में बना यह मंदिर गोस्वामी तुलसीदास को समर्पित है, जिन्होंने 'रामचरितमानस' की रचना की. संत तुलसीदास ने अवधी भाषा में 'रामचिरतमानस' की रचना कर भगवान राम की कथा को संस्कृत तक सीमित न रखकर आम जनमानस के लिए सुलभ बनाया. राम मंदिर परिसर में उनका मंदिर स्थापित करना यह दर्शाता है कि तुलसीदास केवल एक कवि नहीं थे, बल्कि वे भारतीय संस्कृति और राम भक्ति के आधार स्तंभों में से एक हैं. यह मंदिर उनकी अतुलनीय साहित्यिक और भक्तिपूर्ण धरोहर का सम्मान और महान संत को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने अपना पूरा जीवन भगवान राम की सेवा और उनकी शिक्षाओं के प्रसार में समर्पित कर दिया.

शेषवतार मंदिर

यह सरयू तट के पास सहस्रधारा क्षेत्र में स्थित है. यह मंदिर भगवान राम के छोटे भाई लक्ष्मण के शेषनाग अवतार को समर्पित है. लक्ष्मणजी ने वनवास काल में १४ वर्ष तक रामजी की सेवा की थी. कहा जाता है कि इसी स्थान पर लक्ष्मण ने अपना वास्तविक शेषनाग स्वरुप भी दिखाया था. मंदिर की स्थापना और निर्माण राम जन्मभूमि परिसर में राम मंदिर के समानांतर किया जा रहा है.

कनक भवन

यह अयोध्या के सबसे पवित्र और प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है, जो भगवान राम और माता सीता को समर्पित है. मान्यता है कि महारानी कैकेयी के आग्रह पर दशरथ ने इसे देवशिल्पी विश्वकर्मा से बनवाया था. कैकेयी ने देवी सीता को विवाह के उपरांत इसे 'मुंह दिखाई' में भेंट किया था. यह भगवान राम और माता सीता का निजी महल था, जहां उन्होंने अपने नवविवाहित जीवन का काफी समय व्यतीत किया. भवन के अंदर भगवान राम और माता सीता की तीन स्वर्ण मंडित मूर्तियां स्थापित हैं, जिन्हें कनक बिहारी और कनक स्वामिनी नाम से जाना जाता है. कहते हैं कि द्वापर युग में भगवान कृष्ण अयोध्या आए थे और कनक भवन को देखा था. मान्यता है कि यहां पूजा करने से दांपत्य जीवन में सुख और शांति आती है.

गिलहरी की प्रतिमा

राम जन्मभूमि मंदिर परिसर के अंदर अंगद टीले पर गिलहरी की एक भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है. गिलहरी की प्रतिमा ऐसी जगह है, जहां से वह मंदिर की ओर निहारती हुई दिखाई देती है. यह समर्पण, निष्ठा और भक्ति का संदेश देती है कि कभी भी छोटे प्रयास व्यर्थ नहीं जाते. जब भगवान राम लंका जाने के लिए समुद्र पर पुल (रामसेतु) का निर्माण कर रहे थे, तब एक छोटी गिलहरी ने भी अपनी श्रद्धा और भक्ति दिखाते हुए रेत के कणों को लाकर पुल बनाने में योगदान दिया था. यह प्रतिमा संदेश देती है कि किसी भी बड़े कार्य में, चाहे योगदान कितना भी छोटा क्यों न हो, वह अमूल्य होता है, खासकर जब वह पूर्ण श्रद्धा और समर्पण के साथ किया जाए. इस प्रतिमा की स्थापना उसी सम्मान की प्रतीक है.

जटायु की प्रतिमा

राम मंदिर परिसर में स्थापित जटायु की प्रतिमा भी रामायण के एक महत्वपूर्ण पात्र हैं. जब रावण माता सीता का हरण कर ले जा रहा था, तब जटायु ने रावण को रोकने की पूरी कोशिश की. इस प्रयास में रावण ने उसके पंख काट दिए थे. भगवान राम जब सीता की खोज में निकले, तो मरणासन्न जटायु ने उन्हें रावण का पता बताया और उनके सामने ही अपने प्राण त्यागे. राम ने जटायु को पिता समान मानकर उनका अंतिम संस्कार किया था. जटायु की प्रतिमा भगवान राम के प्रति उनकी निष्ठा, साहस और धर्म के लिए बलिदान की प्रतीक है. यह नारी सम्मान की रक्षा और अधर्म के विरुद्ध संघर्ष का प्रतिनिधित्व करती है. जटायु की प्रतिमा केवल एक कलाकृति नहीं, बल्कि साहस, कर्तव्यपारायणता और धर्म-रक्षा के मूल्यों की सशक्त प्रतीक है.

सपना साकार

सकल विश्व में धारणा है कि अयोध्या का राम मंदिर केवल एक मंदिर नहीं है, यह भारतीय गौरव, अस्मिता और सनातन समाज के अस्तित्व से जुड़ा है. विश्व ने देखा कि कैसे हिंदू समाज अपने आराध्य के लिए मुगलों, अंग्रेजों और स्वतंत्रा भारत में कुछ कट्टरवादियों से कानूनी और वैचारिक लड़ाई लड़ता रहा. हिंसा का भी दौर आया, लोगों ने अपनी जान तक न्यौछावर कर दी, लेकिन हार नहीं मानी और आखिर में आस्था की विजय हुई. अब विश्व में यह स्थापित हो गया कि धर्म ध्वजा का फहराया जाना मंदिर की पूर्णता ही नहीं, सदियों से देखे गए सपनों के साकार होने के साथ ही धर्म और मर्यादा के मूल्यों की पुनर्स्थापना का प्रतीक है.

विकास को लगे पंख

अयोध्या का विकास चरम पर है. राम मंदिर के उद्घाटन के बाद से अयोध्या के मंदिरों का जीर्णोद्धार, मंदिर के आसपास बनी सड़कें रामपथ, भक्तिपथ इसके धर्मनगरी होने का आभास कराती है. अयोध्या की सोलर सिटी आज ६०० मेगावॉट विद्युत आपूर्ति कर रही है. अयोध्या में आगंतुकों के लिए बड़ी संख्या में हॉटल, फाइव स्टार हॉटल बन रहे हैं, उच्चकोटि के भोजनालय तैयार हैं. रामलला की मूर्ति की स्थापना के बाद से अयोध्या में ४० करोड़ श्रद्धालु आ चुके हैं. आज लखनऊ और वाराणसी के बाद अयोध्या ही ऐसा शहर है, जहां से सबसे अधिक उड़ानें उड़ रही हैं. अयोध्या से जुड़ने वाली अधिकांश सड़कें छह अथवा चार लेन की हो गई हैं. आज अयोध्या जीवंत है, राममय है. शहर या आसपास कहीं भी जाइए, विकास की बयार दिख जाएगी.

(लेखक मुंबई महानगर स्थित प्रतिष्ठित ग्लोबल कॉरपोरेट कंपनी में वाईस प्रेसीडेंट हैं. प्रस्तुत है श्रीराम जन्मभूमि मंदिर से लौटकर आंखों देखा हाल)

व्योमेश सिंह 'बैस'
इंजीनियर (इंडिगो एअरलाइंस)

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में कदाचित खुदीराम बोस ऐसे हुतात्मा थे, जिनके अंतिम संस्कार के उपरांत एक चुटकी भस्म को प्राप्त करने के लिए हजारों स्वाधीनता के दीवाने टूट पड़े थे. यह भस्म सोने-चांदी और हाथी दांत की डिबियों में सहेजी गई थी. खुदीराम बोस की भस्म के तावीज बनाकर बालकों और तरुणों को पहनाया गया था ताकि क्रांतिकारियों की सेना तैयार हो सके. खुदीराम बोस क्रांति के अग्रदूत थे, जिनके पुरुषार्थ से न केवल बंगाल वरन भारत में ब्रिटिश शासन के विरुद्ध स्वाधीनता की अग्नि ज्वालाएं प्रज्वलित हुईं.

'एक बार विदाई दे मां,
घूरे आसी..
हंसी हंसी पोरबो फांसी देखबे
भारतवासी!'

ओ मां! मुझे एक बार विदा दो तनिक घूमकर आता हूं..
हंसता हंसता फांसी के फंदे में चढ़ जाऊंगा और सारे भारतवासी देखेंगे!

महान क्रांतिकारी खुदीराम बोस की ये पंक्तियां जहां एक मार्मिक संवेदना उत्पन्न करती हैं तो दूसरी ओर ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध स्वदेश के लिए सर्वस्व अर्पित करने की प्रेरणा देती हैं. सन १८५७ के स्वतंत्रता संग्राम के उपरांत महारथी खुदीराम बोस ही प्रथम क्रांतिकारी थे जो सबसे कम उम्र १८ वर्ष ८ माह ८ दिन में फांसी पर चढ़ा दिए गए थे. ये वही बंगाल है, जहां से राष्ट्रवाद की भावना प्रबल हुई थी, परंतु वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बंगाल बिखर रहा है. इसलिए स्वाधीनता के अमृत काल में महान क्रांतिकारी खुदीराम बोस के बलिदान की गाथा जन-जन तक पहुंचना ही चाहिए ताकि बंगाल अपनी विरासत को अक्षुण्ण रख सके.

स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारी रणबांकुरे कौन थे?

वे लोग कोई और ही थे. कौन थे? जिन्हें केवल एक प्रेम, देश प्रेम था. जिन्हें केवल एक धुन राष्ट्र धुन थी और जिनका केवल एक लक्ष्य था भारत मां की स्वतंत्रता! फिर चाहे स्वयं का शरीर बेडियों में जकड़ कर कोड़ों से क्यों न उधेड़ दिया जाए, लेकिन तेरा वैभव अमर रहे मां, हम दिन चार रहें न रहें गाते हुए फांसी पर झूल जाने वाले कई नामों को हम जानते भी नहीं. जिन्हें जानते है उन्हें भी प्रकारांतर से कभी आतंकवादी, लुटेरा, डकैत और फॉसिस्ट कहा गया. इसी कड़ी में खुदीराम बोस भी आते हैं. १८ साल, ८ माह और ८ दिन की उम्र में फांसी का फंदा चूम लिया. इस उम्र में जब आज के अधिकतर नौजवान यारी-दोस्ती और मौज-मस्ती को ही जीवन का ध्येय और पर्याय समझ रहे होते हैं तब एक समय में इसी उम्र का नौजवान हाथ में गीता लेकर भारत माता की जय बोलते हुए फांसी के फंदे पर झूल गया.

अंग्रेजों की दासता स्वीकार नहीं

पश्चिम बंगाल के मिदनापुर जिले में बाबू त्रैलोक्यनाथ बोस धर्मात्मा कायस्थ थे. उनकी पत्नी लक्ष्मी प्रिया देवी भी एक हाथ से धैर्य-धर्म को थामे रखती और दूसरे हाथ में स्वदेश प्रेम की डोर लिए चलतीं. यह शुभ संस्कारों का ही प्रभाव था कि ३ दिसंबर १८८९ के दिन जब बोस दंपति के घर बालक ने जन्म लिया तो उसका नाम रखा खुदीराम बोस अर्थात शुभ लक्षणों वाला यह बालक खुदारी की परिभाषा सार्थक करने वाला था. तो फिर वह अंग्रेजों की दासता को कैसे स्वीकार कर लेता.

जैसे शुक्ल पक्ष का चंद्रमा एक-एक दिन करके बढ़ता रहता है, यह बालक भी एक-एक वर्ष बढ़ता गया और हर उम्र के साथ उसमें देश को स्वतंत्र करा लेने की जिजीविषा बढ़ती गई. यह जिजीविषा एक दिन इतनी बढ़ी कि नौवीं कक्षा के छात्र खुदीराम बोस ने पढ़ाई छोड़ दी और स्वदेशी आंदोलन में कूद पड़े. परंतु यह केवल प्रारंभ था, बालक बोस को अभी लंबी दूरी तय करनी थी.

खुदीराम बोस में क्रांतिकारी बदलाव

स्वदेशी आंदोलन जारी तो था, लेकिन बोस के विचारों में केवल इतना होना ही पर्याप्त नहीं था. यह आवश्यक था कि समग्र जनता में चेतना आए और वह घरों से निकल पड़ें और ब्रिटिश शासन को जड़ से उखाड़ फेकें. स्वदेशी आंदोलन में अनेक ऐसे ही क्रांतिकारियों का साथ बोस को मिला और मां के सपूतों का कारवां बढ़ चला. सन १९०६ में अंग्रेज सिपाही को मुक्का मारने के साथ ही खुदीराम बोस में क्रांतिकारी बदलाव आया. मिदनापुर में एक औद्योगिक तथा कृषि प्रदर्शनी लगी हुई थी. खुदीराम ने इस प्रदर्शनी में आए लोगों को सोनार बांग्ला जिसे कि सत्येंद्रनाथ ने लिखा था. यह बेहद ज्वलंत विषय पर लिखा गया पत्रक था. एक पुलिस वाले ने उन्हें यह पत्र बांटते देखा तो पकड़ने दौडा. तेजतर्रार खुदीराम बोस ने सिपाही के मुंह पर घूंसा मार दिया और पत्रक को लेकर वहां से आसानी से भाग निकले. प्रकरण पर अभियोग चलाया गया, लेकिन गवाह न मिलने पर बोस निर्दोष छूट गए.

सन १९०५ में अंग्रेजों ने बंगाल का विभाजन कर दिया. लॉर्ड कर्जन इसे अंजाम देने वाला था, जिसके विरोध में लोग सड़कों पर उतर आए थे. इन क्रांतिकारियों के दमन के लिए मजिस्ट्रेट किंग्सफोर्ड को भेजा गया. किंग्सफोर्ड के दमनकारी तरीके बेहद क्रूर थे. उसने कई निर्दोषों को बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया. अंग्रेजी सरकार ने इस दरिंदे को बदले में सम्मान देकर मुजफ्फरपुर में सत्र न्यायाधीश बना दिया.

किंग्सफोर्ड को सजा देने के लिए आगे आए

बंगाल में क्रांतिकारियों की एक समिति युगांतर इस पूरी दमनकारी नीति से रोष में थी. बोस पहले ही इससे जुड़ चुके थे. एक गुप्त बैठक में तय हुआ कि किंग्सफोर्ड को उसके किए की सजा तो मिलनी ही चाहिए और तब दो नाम क्रमशः प्रफुल्ल कुमार चाकी और खुदीराम बोस के तय हुए. खुदीराम को एक बम और पिस्तौल दी गई. प्रफुल्ल कुमार को भी एक पिस्तौल दी गई. अब दोनों को अपना लक्ष्य साधने के लिए रवाना किया गया. किंग्सफोर्ड को भी अपने विरुद्ध हो रही इस योजना की जानकारी कहीं से मिल गई थी. दोनों ही क्रांतिकारी बेहद सतर्क थे, सबसे पहले दोनों ने किंग्सफोर्ड के बंगले की निगरानी की. बग्घी और घोड़े की पहचान की, खुदीराम बोस तो किंग्सफोर्ड के कार्यालय तक भी हो आए थे. अगले दिन योजना के अनुसार दोनों अपनी-अपनी जगह तैनात हो गए. ३० अप्रैल १९०८ को दोनों क्रांतिकारी किंग्सफोर्ड के बंगले के बाहर जमे हुए थे. रात साढ़े आठ बजे क्लब से एक बग्घी निकली, खुदीराम बोस उसके पीछे भागने लगे.

रास्ते में अंधेरा था, उन्होंने निशाना साधकर आगे जा रही बग्घी पर बम फेंक दिया. यह सन १८५७ के स्वतंत्रता संग्राम के बाद हिंदुस्तान में किया गया पहले बम विस्फोट के तौर पर देखा जा सकता है. इतिहासकारों के अनुसार, इसकी आवाज तब तीन मील दूर तक सुनी गई और फिर कुछ दिनों बाद लंदन तक में सुनी गई. लेकिन सौभाग्य से उस दिन किंग्सफोर्ड बच गया क्योंकि उसकी बग्घी क्लब से कुछ देर बाद निकली थी.

नंगे पैर २४ मील चले

खुदीराम तथा प्रफुल्ल कुमार दोनों ही रातों-रात नंगे पैर २४ मील भागते चले गए और वैनी रेलवे स्टेशन जाकर रुके. अंग्रेज अफसर भी चुप नहीं बैठे थे. वैनी स्टेशन पर उन्हें घेर लिया गया. प्रफुल्ल कुमार चाकी ने युगांतर का कोई भेद न खुल जाए इसलिए खुद को गोली मारकर वीरगति का मुख चूमा. इधर खुदीराम बोस गिरफ्तार कर लिए गए. कई बार अंग्रेजों को छकाने वाले खुदीराम को अब अंग्रेज नहीं छोड़ने वाले थे, इसलिए ११ अगस्त १९०८ को उन्हें फांसी दे दी गई. खुदीराम बोस की वीरगति का असर भारत के नौजवानों पर ऐसा पड़ा कि बोस क्रांतिकारी वीरता के पर्याय बन गए. उनका नाम लेकर नौजवान स्वाधीनता की कसमें खाने लगे और बंगाल में लड़के खुदीराम नाम लिखी किनारी की धोती पहनने लगे थे. यह धोती स्वदेशी और स्वतंत्रता आंदोलन की पर्याय बन गई.

सबसे कम उम्र के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जिन्हें फांसी दी गई

आज जो हम तिरंगा लहरा रहे हैं और उसकी छांव के नीचे खड़े हैं, इसके भगवा रंग में वीर अमर बलिदानी खुदीराम बोस का लहू शामिल है. सन १८५७ के स्वतंत्रता संग्राम में सबसे कम १३ वर्ष की उम्र में महान वीरांगना मैना बाई का बलिदान हुआ था. यद्यपि १८७२ में कूका आंदोलन में ६८ सेनानी शहीद हुए थे, जिसमें १३ वर्ष का बालक लुधियाना के डिप्टी कमिश्नर की दाढ़ी पकड़ ली थी और तब तक नहीं छोड़ी जब तक उसके हाथ नहीं काट दिए गए फिर उसका बलिदान हुआ. यह उस समय तक का सबसे कम उम्र में बलिदान था परंतु दुर्भाग्य है कि बड़े नामों के आगे इस बालक का नाम ज्ञात नहीं है जो शोध का विषय है तथापि अब १२ वर्षीय महारथी बाजी राउत का नाम सबसे कम उम्र में बलिदान देने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में दर्ज है (सन १९३८). उपरोक्तानुसार अज्ञात महारथी बालक को तोप के मुंह में बांधकर उड़ाया गया था और महारथी बाजी राऊत को गोलियों से भून दिया गया था. अतः फांसी की सजा के दृष्टिकोण से, महारथी खुदीराम बोस सबसे कम उम्र के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे, जिन्हें फांसी दी गई थी.

फांसी के समय खुदीराम बोस के हाथ में गीता थी और चेहरे पर विलक्षण आभा के साथ मुस्कुराहट थी. उनके अंतिम उद्गार न केवल मर्मस्पर्शी हैं, वरन मातृभूमि के लिए सर्वस्व अर्पित कर देने की पराकाष्ठा के उच्चतम मानक हैं-

'मैं बहुत गरीब हूं,
मेरे पास भारत मां को देने के लिए
कुछ नहीं था,
सिवाए मेरे प्राणों के,
जिसे आज मैं दे रहा हूं'....

राजद का पतन

बिहार की पाती

अभिषेक सिंह

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) बिहार की राजनीति का एक मजबूत स्तंभ रहा है, जो लालू प्रसाद यादव की करिश्माई नेतृत्व और यादव समाज की एकजुटता पर टिका था. लेकिन हाल के वर्षों में पार्टी को जो नुकसान हुआ है, उसकी गहराई से समीक्षा करने की जरुरत है. २०२४ के लोकसभा चुनावों में राजद की सीटें घटकर महज चार रह गईं, जबकि २०१९ में यह आंकड़ा नौ था.

लालू यादव के परिवार में कलह तो उजागर हुई ही है, विधानसभा स्तर पर भी पार्टी के गठबंधन की कमजोरी उजागर हुई. यह नुकसान सिर्फ चुनावी हार नहीं, बल्कि आंतरिक संरचनात्मक कमजोरियों, सांस्कृतिक दूरी और नेतृत्व की गलतियों का परिणाम है. पार्टी के शुभचिंतक इन मुद्दों को समझते हैं, लेकिन संजय यादव के बढ़ते प्रभाव के डर से तेजस्वी यादव के सामने बोल नहीं पाते. इस तरह की चर्चा है कि संजय अब इतने ताकतवर हो चुके हैं कि वे तेजप्रताप यादव को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा सकते हैं, तेजस्वी की कुर्सी हथिया सकते हैं, और यहां तक कि तेजस्वी की बहनों की आपत्तियों को दबा सकते हैं. बिहार की जनता जानती है कि राजद अब लालू की निगरानी में नहीं, बल्कि उनकी क्रिश्चियन बहू के साथ दहेज में हरियाणा से आए संजय यादव **शेष पृष्ठ ६ पर...**

महापरिनिर्वाण दिवस पर केंद्रीय मंत्री ने किया आंबेडकर को नमन

कपिलदेव खरवार

मुंबई: केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने अपने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ दादर की चैत्य भूमि पर भारत रत्न भीमराव आंबेडकर की ६९वीं महापिरिनिर्वाण दिवस पर नमन किया.

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले के साथ पार्टी की महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा रामदास आठवले, युवा नेता जीत रामदास आठवले, पूर्व मंत्री अविनाश महातेकर, महाराष्ट्र महासचिव गौतम सोनावणे, महाराष्ट्र उपाध्यक्ष अनिल गांगुर्डे, राष्ट्रीय महिला उपाध्यक्ष शीला अनिल गांगुर्डे, सचिव हरिहर यादव, मुंबई अध्यक्ष सिद्धार्थ कासारे, जिला अध्यक्ष संजय डोलसे, अजीत रणदिवे और सचिन मोहिते अतिरिक्त पार्टी के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी आंबेडकर का अभिवादन किया.

पब्लिक ने पकड़ा ड्रग पेडलर, पुलिस निष्क्रिय

मुंबई कंट्रोल पत्रकार

मुंबई: विक्रोली (पूर्व) के टैगोर नगर में कुछ स्थानीय लोगों ने एक ड्रग पेडलर को रंग हाथ पकड़ा. स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी किंतु आरोप है कि कोई ठोस कारवाई नहीं की गई.

डीसीपी जोन-७ के पुलिस उपायुक्त राकेश ओला ने बताया कि मामले की जांच जारी है, जबकि एक स्थानीय नागरिक गणेश शेट्टी ने बताया कि गत वर्ष में कई बार शिकायतें करने के बाद भी पुलिस अब तक कोई कोई निर्णायक निर्णय नहीं किया. शेट्टी ने कहा कि गैंग का सरगना विरोध करने वालों को जान से मारने की धमकी देता है. यही नहीं जब इस गैंग का कोई ड्रग पेडलर पकड़ाता है तब इसके समर्थन में गैंग से जुड़ी महिलाएं पुलिस स्टेशन पहुंचकर हंगामा करने लगती हैं और आश्चर्य यह है कि इतना सब कुछ होने के बावजूद भी अभी तक किसी के खिलाफ कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई है.

सत्य, निष्पक्ष, निर्विवाद और ठोस खबरों का पारदर्शी आईना 'मुंबई कंट्रोल' अखबार.

'मुंबई कंट्रोल' अखबार पढ़ें और मुंबई के साथ बहुमुखी विकास करें.

राजद का पतन

बिहार की पाती

पृष्ठ ५ का शेष

की देखरेख में चल रही है. यह अनदेखी सच्चाई पार्टी के पतन की जड़ है.

तेजप्रताप की अनदेखी भारी पड़ी

यादव समाज, जो राजद का कोर वोट बैंक है, सबसे ज्यादा आहत है, बिहार के ग्रामीण. यादव परिवार में परंपरा है कि बड़े भाई की जगह छोटे भाई को उत्तराधिकारी नहीं बनाया जाता. लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेजप्रताप को दरकिनार कर तेजस्वी को नेता बनाने का फैसला समाज को अस्वीकार्य लगा. क्या यादवों का नेता क्लेम करने वाला परिवार इतनी बुनियादी परंपरा भी नहीं जानता? गांव-देहात में यादव परिवार आज भी गोत्र, कुल और वंश की मर्यादा निभाते हैं.

तेजप्रताप को पार्टी से बाहर करने को यादव समाज ने तेजस्वी का षडयंत्र माना. यह न सिर्फ पारिवारिक कलह का प्रतीक बना, बल्कि समाज में संदेश गया कि राजद नेतृत्व यादव परंपराओं से कट चुका है. नतीजा? २०२४ चुनावों में मधुबनी, दरभंगा जैसे यादव बहुल इलाकों में वोटों का बिखराव हुआ, जहां जदयू और भाजपा ने सेंध लगाई.

लालू यादव ने राजनीति और समाज दोनों को साधा

एक और अनदेखी पीड़ा है परिवार में क्रिश्चियन बहू का आगमन, कथित प्रगतिशील इसे आधुनिकता कह सकते हैं, लेकिन ग्राउंड जीरो की हकीकत अलग है. लालू प्रसाद ने जब तक कमान संभाली, परिवार में एक भी शादी यादव समाज से बाहर नहीं होने दी. घर में बगावत हुई, लेकिन लालू अपनी राजनीति और समाज दोनों को समझते थे. उन्होंने सनातन परंपराओं का अपमान नहीं किया. मुख्यमंत्री रहते हवन कराया, माताजी की मृत्यु पर भोज करवाया और छठ पूजा को राष्ट्रीय मीडिया का आकर्षण बनाया. यह सब यादव समाज की आस्था को मजबूत करता था.

लालू यादव के परिवार में अब तस्वीर बदल चुकी है

लेकिन अब तस्वीर बदल गई. तेजस्वी के परिवार में छठ नहीं मनता, जबकि लालू बच्चों के साथ हेलोवीन मनाते दिखते हैं. यह सांस्कृतिक विचलन यादव समाज को चुभता है.

पार्टी की सेकुलर छवि के नाम पर सनातन को नजरअंदाज करना घातक साबित हुआ. चंद्रशेखर यादव जैसे नेता मधेपुरा से सीट बचाने में सफल रहे, लेकिन उनके बयानों ने राजद को भारी नुकसान पहुंचाया. लालू की राजनीति कभी हिंदू परंपराओं के खिलाफ नहीं थी, बल्कि सामाजिक न्याय के साथ संतुलित थी. चंद्रशेखर के विवादास्पद बयान सनातन विरोधी लगे, जिससे यादव वोटरों में असंतोष बढ़ा.

वरना राजद का भविष्य अंधकारमय

संक्षेप में, राजद का नुकसान संजय यादव के अंदरुनी वर्चस्व, पारिवारिक परंपराओं की अनदेखी, सांस्कृतिक दूरी और नेतृत्व की अंधता से हुआ. यदि तेजस्वी इन अनदेखे मुद्दों पर ध्यान नहीं देंगे, तो पार्टी यादव समाज से और कट जाएगी. शुभचिंतकों को डर त्यागकर सच्चाई बोलनी होगी, वरना राजद का भविष्य अंधकारमय है.

परिवार में साफ दिख रही कलह

परिवार में भी कलह साफ दिख रही है. राजद नेता और लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने यहां तक कह दिया कि मेरा कोई परिवार नहीं है. उन्होंने ही मुझे परिवार से निकाला है. उन्हें जिम्मेदारी नहीं लेनी है. सारी दुनिया सवाल कर रही है कि पार्टी का ऐसा हाल क्यों हुआ है?

ADVERTISEMENT TARRIF

Colour Rs.200/- front page
Colour Rs.150/- inside page
Black and White Rs.100/- only.

All rates are applicable as per sqaure cms. respectively. And at the time of finalisation of advertisements the rates can be considered in special case for important clients, Please note...

Please contact Whatsapp# 932 329 0218 / Call Cellular # 9594560928 or Email: mumbaicontrol2006@gmail.com

पिताजी का बड़ा सपना सचमुच,
हर पिता का सपना या,
कल्पना-बड़ा होता है.
सपना या कल्पना को-
पूरा करने के, चक्कर में-
अपनी ख्वाहिशें, चुपचाप-दबा दी जाती है,
अपने औलाद के-खुशी के चक्कर में,
अपनी हंसी-लुटा दी जाती है.
सचमुच, जिम्मेदारी-निभाते-निभाते,
अपने खुद का-सुख-चैन को,
भूल जाते हैं-न खुद के लिए,
जी पाता है-न ही, आराम से-सो ही पाता है,
वो मानो-बच्चों की हंसी में, अपना जीवन-
जी लेता है.
हकीकत में,
पिताजी का-सपना बड़ा, नहीं होता है-
बस अपने, बच्चों को- ऊंचाइयों पर,
उठते हुए-देखना ही,
उनका सपना-होता है.

महीना दिसंबर हुआ

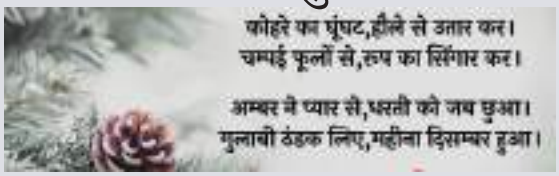

धूप गुनगुनाने लगी, शीत मुस्कुराने लगी.
मौसम की ये खुमारी, मन को अकुलाने लगी.
आग का मीठापन जब, गुड़ से भीना हुआ.
गुलाबी ठंडक लिए, महीना दिसंबर हुआ.
हवाएं हुई संदली, चांद हुआ शबनमी.
मोरपंख सिमट गए, प्रीत हुई रेशमी.
बातों-बातों में जब, दिन कहीं गुम हुआ.
गुलाबी ठंडक लिए, महीना दिसंबर हुआ.

धर्मेंद्र, एक धड़कन जो हमेशा दिलों में अमर रहेगी

मधुलिका सिंह

मुंबई : हिंदी फिल्म उद्योग का वह चमकता सूरज, जिसने पीढ़ियों के सपनों को रोशन किया, और जिसने अपने सहज व्यक्तित्व से अभिनय को जन-जन के जीवन से जोड़ दिया, वह धर्मेंद्र हमसे सदा के लिए विदा हो गए.

धर्मेंद्र एक भावनात्मक धड़कन और एक सांस्कृतिक अनुभूति थे. पंजाब के साहनेवाल गांव में ८ दिसंबर १९३५ को जन्मा यह बालक स्वयं भी नहीं जानता था कि एक दिन उसका नाम अमिट अक्षरों में दर्ज होने वाला है. १९५४ में जब मात्र १९ वर्ष की उम्र में उन्होंने प्रकाश कौर से विवाह किया, उस समय उनका जीवन संघर्षों से भरा था पर भाग्य ने उन्हें १९६० में वह क्षण दिया, जब निर्देशक अर्जुन हिंगोरानी ने उन्हें फिल्म **'दिल भी तेरा हम भी तेरे'** में मौका दिया. धर्मेंद्र की मासूमियत, उनकी आंखों की भाषा और उनके संवादों की सरलता इतनी वास्तविक थी कि जैसे इंसान को पर्दे पर देख रहे हों.

१९६० के दशक के अंत में धर्मेंद्र ने अपने भीतर छिपे 'ही-मैन' को पहचाना. जब १९७५ में शोले आई तो धर्मेंद्र का 'वीरु' सिर्फ एक किरदार नहीं रहा, वह दोस्ती की मिसाल बन गया. उनका प्रतिभा-क्षेत्र केवल एक्शन और रोमांस तक सीमित नहीं था.वे जितने सशक्त एक्शन हीरो थे, उतने ही बेहतरीन कॉमेडियन और उतने ही भावपूर्ण रोमांटिक कलाकार थे.

दिलचस्प बात यह है कि धर्मेंद्र ने तीन पीढ़ियों का मनोरंजन किया. जहां वे बलराज साहनी, राज कपूर, संजीवकुमार और अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गजों के साथ काम कर चुके थे, वहीं वे रणवीर सिंह, शाहिद कपूर और आलिया भट्ट जैसे आज के सितारों के साथ भी पर्दे पर उतरते हुए दिखे. सनी देओल और बॉबी देओल के प्रति उनका भावनात्मक रिश्ता, हेमामलिनी के साथ उनके जीवन का अध्याय, उनकी बेटियां ईशा और अहाना, उनकी व्यक्तिगत कहानी किसी उपन्यास से कम नहीं.

किसी भी महान कलाकार की पहचान यही होती है कि समय बदल जाए पर उसकी चमक न बदले, धर्मेंद्र इस कसौटी पर हमेशा खरे उतरे. 'भारतीय सिनेमा का 'ही-मैन' अब हमारे बीच नहीं है.' पर क्या महान लोग वास्तव में मर जाते हैं? शायद नहीं. धर्मेंद्र की विदाई पर बस इतना ही कहना पर्याप्त नहीं कि 'हमने एक अभिनेता खो दिया.' वास्तव में हमने वह जीवन खो दिया, जो अभिनय की आत्मा था, वह मुस्कान खो दी, जो हर पीढ़ी का संबल थी, वह इंसान खो दिया, जो किसी शहर में नहीं, करोड़ों दिलों में बसता था.

सदाबहार, अद्वितीय, विलक्षण अभिनेता धर्मेंद्र को शत-शत नमन.

ॐ का आद्य नाद स्वरुप

व्योमेश सिंह

भारतीय दर्शन में ॐ को केवल एक अक्षर या मंत्र नहीं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि का आद्य नाद है. इसमें सृष्टि की उत्पत्ति, पालन, संहार और उससे परे की चेतना तक का संकेत समाहित है. वैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो ॐ अ, उ और म में जब अ का उच्चारण होता है तो उसका कंपन नाभि और छाती क्षेत्र महसूस करता है. उ का उच्चारण गले और हृदय के मध्य तरंग उत्पन्न करता है, और म से उत्पन्न गूंज खोपड़ी और मस्तिष्क में फैलती है. और जो सूक्ष्म नाद शेष रहता है, वह तुरीय अवस्था है, जिसे ध्यान और समाधि में अनुभव किया जाता है.

जब संपूर्ण शरीर में कंपन की तरंगे प्रवाहित होती हैं तो यह तंत्रिका तंत्र को संतुलित करती हैं और मनुष्य गहन शांति का अनुभव करता है. ॐ का उच्चारण मस्तिष्क में अल्फा वेव्स की वृद्धि करता है, और ॐ जप से मस्तिष्क के एमिगडाला और ऑर्बिटोफ्रंटल कॉर्टेक्स की सक्रियता में कमी आती है. ॐ का प्रभाव वेगस नर्व को सक्रिय करता है, वेगस नर्व की उत्तेजना से हृदयगति स्थिर होती है, श्वसन गहरा और संतुलित होता है, और शरीर की रिलैक्सेशन रिस्पॉन्स सक्रिय हो जाती है. यही कारण है कि कई शोधों में यह पाया गया है कि नियमित ॐ जप करने वालों का रक्तचाप सामान्य रहता है और हृदय रोगों का खतरा घटता है.

एक अध्ययन के अनुसार ॐ जप से नाड़ी दर और बीपी दोनों में कमी आती है. महिलाओं में लंबे समय तक रहने वाला 'कॉर्टिसोल' बढ़ाकर मासिक धर्म अनियमितता, पीकॉस और थायरॉयड समस्याएं उत्पन्न करता है. ॐ जप मस्तिष्क को शांत कर कॉर्टिसोल घटाता है और पीनियल ग्रंथि को सक्रिय कर मेलाटोनिन बढ़ाता है, जिससे नींद और हार्मोनल संतुलन सुधरता है. ॐ को हीलिंग फ्रिक्वेन्सी माना जाता है, जिसका कंपन लगभग ४३२एचजेड पर गूंजता है. यह आवृत्ति जल और कोशिकाओं में अनुनाद उत्पन्न करती है, जिससे शरीर की ऊर्जा प्रणाली पुर्नसंतुलित हो सकती है. इसलिए ॐ जप का मानसिक स्वस्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव प्रमाणित हुआ है. सायलॉजिकल स्टडीज ने पुष्टि की कि प्रतिदिन २० मिनट का ॐ जप छात्रों में तनाव घटाकर एकाग्रता बढ़ाने में सहायक है.

ॐ जप के वाइब्रेशनंस पार्किसंस डिसीज और अल्जाइमर्स डिसीज में सहायक हस्तक्षेप सिद्ध हो सकता है. इससे स्पष्ट होता है कि ॐ सृष्टि और चेतना के गहनतम रहस्यों को स्पर्श करता है. ॐ उच्चारण वास्तव में धर्म और विज्ञान के बीच की वह कड़ी है, जो शरीर, मन और आत्मा तीनों स्तरों पर सामंजस्य स्थापित करती है. इसलिए ॐ जप केवल आध्यात्मिक साधना नहीं, बल्कि वैज्ञानिक रुप से प्रभावी ध्वनि-चिकित्सा है, जो संपूर्ण ब्रह्मांड की कंपन-तरंग से जुड़कर चेतना को ऊंचाई देती है.

अब शरीर की हरकतों से बनेगी बिजली!

अभिषेक सिंह

नई दिल्ली : देश के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा खास लचीला पदार्थ तैयार किया है जो शरीर की सामान्य हरकतों जैसे दिल की धड़कन, सांस लेना, उंगलियों की हलचल या चलने से खुद ही बिजली बना सकता है. यह उपलब्धि बेंगलुरु स्थित सेंटर फॉर नैनो एंड सॉफ्ट मैटर साइंसेज सीईएनएस के वैज्ञानिकों ने हासिल की है, जो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की स्वायत्त संस्था है.

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार, वैज्ञानिकों ने टंग्स्टन ट्राइऑक्साइड नाम के विशेष नैनो कणों को पीवीडीएफ नाम की लचीली प्लास्टिक सामग्री में मिलाकर एक नया मिश्रित पदार्थ बनाया है, जो दबाव और खिंचाव जैसी गतिविधियों को बिजली में बदलने की क्षमता रखती है. शोध टीम ने इन नैनो कणों को चार अलग-अलग आकारों में तैयार कर जांच की, जिनमें फूल जैसी आकृति वाले कण सबसे प्रभावी पाए गए. इनकी सतह पर अधिक विद्युत आवेश होता है, जिससे ये प्लास्टिक में सबसे अच्छी तरह घुलमिल जाते हैं और ज्यादा बिजली पैदा करते हैं. शोधकर्ताओं ने सिर्फ पदार्थ तैयार नहीं किया, बल्कि यह भी तय किया कि प्लास्टिक में नैनो कणों की कितनी मात्रा

रहने से ऊर्जा उत्पादन सबसे ज्यादा होगा. इसके बाद पदार्थ बनाया है, जो दबाव और खिंचाव जैसी गतिविधियों को बिजली में बदलने की क्षमता रखती है. शोध टीम ने इन नैनो कणों को चार अलग-अलग आकारों में तैयार कर जांच की, जिनमें फूल जैसी आकृति वाले कण सबसे प्रभावी पाए गए. इनकी सतह पर अधिक विद्युत आवेश होता है. शोधकर्ताओं ने सिर्फ पदार्थ तैयार नहीं किया, बल्कि यह भी तय किया कि प्लास्टिक में नैनो कणों की कितनी मात्रा रहने से ऊर्जा उत्पादन सबसे ज्यादा होगा. इसके बाद टीम ने इसका उपयोग करके छोटे-छोटे स्वयं ऊर्जा पैदा करने वाले उपकरण भी बनाए और उनका सफल परीक्षण किया.

इन उपकरणों ने हलकी से हल्की गतिविधि जैसे उंगली का मोड़ना या टेबल पर हल्की थाप से भी साफ और स्थिर विद्युत संकेत पैदा किए. वैज्ञानिकों का कहना है कि यह तकनीक वास्तविक जीवन में कई क्षेत्रों में बड़ा बदलाव ला सकती है. विशेष रुप से स्वास्थ्य क्षेत्र में, जहां मरीज की दिल की धड़कन, सांस, नाड़ी और चलने जैसी गतिविधियों की लगातार निगरानी बेहद जरुरी होती है, यह तकनीक बिना किसी बाहरी बिजली स्रोत के यह काम कर सकती है. नया पदार्थ स्मार्ट कपड़ों, फिटनेस बैंडों, मोशन सेंसरों और चिकित्सा उपकरणों में इस्तेमाल किया जा सकता है. इससे शरीर में पहने जाने वाले उपकरण का आकार और वजन कम होगा, बैटरी बदलने की जरुरत खत्म होगी और लगातार काम-काज संभव हो सकेगा. इसके अलावा यह तकनीक भविष्य में ऊर्जा बचत और हरकत से ऊर्जा बनाने वाले स्मार्ट वस्त्रों और उपकरणों में भी इस्तेमाल की जा सकेगी.

टी-२० सीरीज के लिए गिल को मिली हरी झंडी

ए. बी. सिंह

गिल को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता टेस्ट के दौरान पहली पारी में वल्लेबाजी करते वक्त चोट लगी थी. वह रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए थे और फिर मैच में हिस्सा नहीं ले पाए थे. भारत और दक्षिण अफ्रीका की दोनों टीमें पांच मैचों की टी २० सीरीज खेलेगी, जिसकी शुरुआत ९ दिसंबर से हो चुकी है.

भारतीय टीम को ९ दिसंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी-२० सीरीज खेलनी है.

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गिल पूरी तरह फिट हैं और उन्हें बीसीसीआई के सीईओ से फिटनेस सर्टिफिकेट मिल गया है. भारतीय टेस्ट और वन डे टीम के कप्तान शुभमन गिल को बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीईओ) में रिहैब सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद पूरी तरह से फिट घोषित कर दिया गया है और वह सभी प्रारुपों में चयन के लिए उपलब्ध हैं. चिकित्सा अधिकारियों के अनुसार, गिल ने न केवल अपना रिहैब पूरा कर लिया है, बल्कि प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के लिए आवश्यक सभी फिटनेस और प्रदर्शन मानदंडों को भी पूरा कर लिया है.

बीसीसीआई ने टीम का ऐलान करते वक्त बताया था कि गिल की उपलब्धता सीईओ से फिटनेस मंजूरी पर निर्भर थी, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अब वह फिट घोषित हो गए हैं. गिल को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता टेस्ट के दौरान पहली पारी में बल्लेबाजी करते वक्त चोट लगी थी. वह रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए थे और फिर मैच में हिस्सा नहीं ले पाए थे.

भारत और दक्षिण अफ्रीका की दोनों टीमें पांच मैचों की टी २० सीरीज खेलेगी, जिसकी शुरुआत ९ दिसंबर से हो चुकी है. पहला मुकाबला इंडिया ने कटक में जीत लिया है, जबकि दूसरा मैच ११ दिसंबर को न्यू चंडीगढ़ और सीरीज के बाकी तीन मुकाबले क्रमशः १४ दिसंबर, १७ दिसंबर और १९ दिसंबर को धर्मशाला, लखनऊ और अहमदाबाद में खेले जाएंगे.

मेरी जन्मभूमि उत्तर प्रदेश, कर्मभूमि महाराष्ट्र द्वय संयुक्त उद्यम, बी. पी. मरीन अकेडमी.

BPMA - CBD Belapur Campus

Shri. R. C. Singh Ji
Chairman

BPMA - Panvel Campus

B. P. MARINE ACADEMY

JOIN THE MERCHANT NAVY / HOSPITALITY

Accredited with ISO 9001 : 2015 by ABS QUALITY EVALUATIONS
COURSES GRADED A1 – OUTSTANDING -BY DNV.

NAME OF THE COURSE	ELIGIBILITY
1. Pre-Sea Training (Deck & Engine) GP Rating Course (APPROVED BY DG SHIPPING)	Pass with aggregate 40% marks in 10th standard from a recognized Board with Science, Mathematics & English as subjects and with minimum 40% marks in English language either 10th or 12th standard. Age: 17½ to 25 years Comm. Dt.: 01st Jan. & 1st July
2. Certificate Course in Maritime Catering (CCMC) (APPROVED BY DG SHIPPING)	10th standard pass from a recognized Board with minimum 40% aggregate and 40% marks in English in 10th standard or 12th standard Age: 17½ to 25 years Comm. Dt.: 1st Jan. & 1st July
3. Three Year Degree Course for B.Sc. Nautical Sciences, Approved (Mumbai University) & (APPROVED BY DG SHIPPING)	a) Pass in 12th Std (10+2) with PCM average not less than 60% and 50% marks in English at SSC or HSC Age: 25 years Comm. Dt.: 21st July
4. Electro Technical Officer Course (ETO). (APPROVED BY DG SHIPPING)	Candidates who have scored 50% in Degree BE/ B. Tech or 60% in Diploma in Electrical, Electronics & Telecommunication or Instrumentation or equivalent Degree / Diploma courses must have been recognised by AICTE Age: 35 years & below Comm. Dt.: April/August/December April / August / December Yearly 3 batches
5. 1-year Marine Engineering Course for Graduates (GME)	Minimum marks of 50% in final year in following courses: a) All full time B.E. / B. Tech in Mechanical Engineering and its stream, OR (b) Naval Architecture and its streams, OR (c) Any 5 year Integrated M.E/ M.Tech degree based on above qualifications. English: Minimum 50% marks in English language at the 10th or 12th standard or in degree examination. Age: 18-28 years. Date of Commencement: 1st August.
6. Bridging Course for Sailing Electrical Officers to Electro Technical Officer Course (APPROVED BY DG SHIPPING)	1) Existing Electrical officers: Candidates having 12 months of sea services as Electrical Officer in last 5 yrs. (Preceding 1st Jan 2012). 2) Ex Indian Navy Personnel's 30 months sea service in Navy+6 months in merchant navy as Electrical officer. Age: – Comm. : Every month of 1st and 2nd week.
7. Three years Degree Course for B.Sc. Hospitality Studies (Hotel Management) (MUMBAI UNIVERSITY) (YCMOU)	a) Pass in 12th standard (10+2)with 50% aggregate (any Stream) b) 45% in case of reserved category students. Pass in 12th standard (10+2) for YCMOU Age: – Comm. Dt.: 21st July
8. Advanced Diploma in Nautical Science in Association with SSMS / City of Glasgow College (UK) APPROVED BY MCA (UK)	Pass in Plus Two (12th Standard) or its equivalent with Math's, Physics and Chemistry group in Class XII, and preferably at least 50% in English. (1st Year at BPMA & 2nd Year at SSMS / COGC (UK) Awarded Best National Nautical Centre of Excellence status by UK Govt. Website: www.stc.ac.uk / www.cityofglasgowcollege.ac.uk Age: Preferably 17 to 25 years Comm. Dt.: 8th Sept. & 13th Jan.
9. Advanced Diploma in Marine Engineering in Association with SSMS / City of Glasgow College MCA (UK) APPROVED BY MCA (UK)	Pass in Plus Two (12th Standard) or its equivalent with Math's, Physics and Chemistry group in Class XII, and preferably at least 50% in English (equivalent to IELTS 5.0 minimum) (1st Year at BPMA & 2nd Year at SSMS / COGC (UK) Awarded Best National Nautical Centre of Excellence status by UK Govt. Website: www.stc.ac.uk/www.cityofglasgowcollege.ac.uk Age: Preferably 17 to 25 years Comm. Dt.: 8th Sept. & 13th Jan.

FOLLOWING MODULAR COURSE APPROVED BY DG SHIPPING

10. CHEMCO - Specialised Training for Chemical Tankers Operations
11. GASCO - Specialised Training for Liquefied Gas Tankers Operations
12. ATOT/TASCO - Advanced Training Programme on Oil Tanker Operations IGS/COW
13. Liquefied Gas Tanker Familiarization
14. Proficiency in Survival Craft and Rescue Boats PSC & RB
15. Ship Master Medicare
16. Medical First Aid
17. Basic STCW Safety Training Course
18. Navigation Watch Keeping AB
19. (SSO) Ship Security Officer's Course
20. (STSDSD) Security Training for Seafarers
21. (AFFC) Advanced Fire Fighting Course
22. Refresher and Updating Training Course for Engineer Officers - 4 days Course (Twice a month)
23. E.C.D.I.S
24. R.O.C/A.R.P.A
25. GMDSS Course
26. IGF - BASIC
27. IGF - ADVANCE

BPMA CONDUCT FOLLOWING REFRESHER COURSES

28. RF PST As per STCW 2010
29. RF PSCRB + PST As per STCW 2010
30. RF FPFF As per STCW 2010
31. RF AFF + FPFF As per STCW 2010
32. RF SMM (MLC-2006)
33. RF MFA (MLC-2006)

NOTE: AGE RELAXATION: SC/ST 5 YEARS, OBC 3 YEARS.

34. MARINE BOILER & STEAM ENGINEERING FOR MANAGEMENT LEVEL. (Every Alternate Monday) (Duration 9 days)
35. MARINE BOILER AND STEAM ENGINEERING FOR OPERATIONAL LEVEL. (Every Monday) (Duration 6 days)
36. HIGH VOLTAGE SAFETY & SWITCH GEAR COURSE MANAGEMENT LEVEL (Duration 5 days)
37. HIGH VOLTAGE SAFETY & SWITCH GEAR COURSES OPERATIONAL LEVEL (Duration 1 day)
38. LIQUID CARGO HANDLING SIMULATOR (OIL)
39. LIQUID CARGO HANDLING SIMULATOR (CHEMICAL)
40. BASIC TRAINING FOR OIL AND CHEMICAL TANKER CARGO OPERATIONS

VALUE ADDED COURSES:

41. Bridge Team Management (BTM)
42. Bridge Resource Management (BRM)

mca
Maritime and Coastguard Agency

43. MCA / UK - GASCO Advanced Training for Liquefied Gas Tanker Cargo Operations (MCA Approval No.1001982) (Duration 5 Days)
44. MCA / UK - GMDSS - GOC Global Maritime Distress Safety System "GOC" (MCA Approval No.1002061) (Duration 11 Days)
45. UK / MCA Approved-IGF-Basic Basic Training for Service on Ships Using Fuels Covered within the IGF Code (IGF-B) (MCA Approval No.1001983) (Duration 2 Days)
46. MCA / UK Approved IGF-Adv Advanced Training For Ships Using Fuels Covered Within The IGF Code (IGF-A) (MCA Approval No. 1001984) (Duration 4 Days)
47. MCA (UK) CHEMCO Course Approval No. 4457 (Every Monday) (Duration 5 Days)
48. MCA (UK) TASCO Course Approval No. 4456 (Every Monday) (Duration 5 Days)
49. Certificate of Training in Basic Oil/Chemical Liquefied Gas Tanker Cargo (MCA Approval No. 4472) (Duration 3 days)
50. Tanker Fire Fighting Course - 1 day (MCA Approval No. 4525)
51. High Voltage Course UK-MCA Management Level (MCA Approval No. 4724) Duration 5 days
52. High Voltage Course UK-MCA Operational Level (MCA Approval No. 4725) Duration 1 day.
53. AFF (MCA Approval No. 5025) (Duration 4 days)
54. PSCRB (MCA Approval No. 5027) (Duration 4 days)
55. MFA (MCA Approval No. 5029) (Duration 4 days)
56. AFF(RF) (MCA Approval No. 5026) (Duration 1 day)
57. PSCRB(RF) (MCA Approval No. 5028) (Duration 1 day)
58. HUMAN ELEMENT LEADERSHIP AND MGMT (HELM MGMT LEVEL) (MCA Approval No. 5145) (Duration 5 days)
59. HUMAN ELEMENT LEADERSHIP AND MGMT (HELM OPERATIONAL LEVEL) (MCA Approval No. 5146) (Duration 3 days)
60. PROFICIENCY IN MEDICAL CARE (PMC) (MCA Approval No. 5147) (Duration 4, 5 days)

Sai Pooja Chambers, plot no. 58, sector no. 11, CBD Belapur, Navi Mumbai- 400 614.
Email: queries@bpmarine.in and bpmarine.academy@gmail.com Website: www.bpmarine.in Tel.: 022 69195959

स्वत्वाधिकारी: ब्रहमजीत सिंह के लिए मुद्रक-प्रकाशक-संपादक: ब्रहमजीत सिंह द्वारा फातिमा प्रिंटर्स, तिलक नगर, साकीनाका, मुंबई- ४०००७२ से मुद्रित व तपोवन (पटेल चाल), शिवाजी नगर, बुर्ला-अंधेरी रोड, जरीमरी, साकीनाका, मुंबई- ४०००७२ से प्रकाशित. वर्ष: २० अंक: ११ मुंबई कंट्रोल, मुंबई: १२.१२.२०२५ - २६.१२.२०२५. **Website:** www.mumbaicontrol.in
Email: mumbaicontrol2006@gmail.com *आरएनआई नं.२००६/१७२०६, संपादक: ब्रहमजीत सिंह, संपर्क सूत्र: ९९४९६०९२८ व्हाट्सऍप नं. ९३२३२९०२१८ प्रमुख कार्यालय: तपोवन (पटेल चाल), शिवाजी नगर, बुर्ला-अंधेरी रोड, जरीमरी, साकीनाका, मुंबई- ४०००७२. कॉरपोरेट कार्यालय: ३२/१७०६, रिजेंसी सर्वम, महागणपति रोड, टिटवाला (पूर्व)- ४२१६०५, जिला- ठाणे.*
कानूनी सलाहकार: ऍड. ओ पी सिंह (बॉम्बे हाईकोर्ट).